evidyarthi.in

पाठ-9

समानता के लिए संघर्ष

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

परिचय

समानता के लिए संघर्ष

तवा मत्स्य संघ

भारत का संविधान -एक जीता हुआ दस्तावेज़

https://www.evidyarthi.in/

परिचय

- इस पुस्तक में अभी तक आपने **कांता**, **अंसारी दंपत्ति**, **मालिनी** और **स्वप्ना** जैसे लोगों के बारे में पढ़ा है। इन सभी की **कहानियों** में जो बात **सामान** है, वह यह है की

स्वप्ना

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उनके साथ असमान व्यवहार किया गया है।

- इतिहास ऐसे लोगों के उदाहरणों से भरा पड़ा है जो असमानता के खिलाफ और न्याय के मुद्दों के लिए एक साथ आए हैं।

- क्या आपको अध्याय 1 में रोजा पार्क की कहानी याद है?
- इस अध्याय में आप कुछ ऐसे तरीकों के बारे में जानेंगे जिनसे लोगों ने असमानता के खिलाफ संघर्ष किया है।

- इन **सभी व्यक्तियों** के साथ उनकी **सामाजिक** और **सांस्कृतिक** पृष्ठभूमि के साथ-साथ **महिलाओं** के कारण **भेदभाव** किया जाता है।
- **दलित, आदिवासी** और **मुस्लिम लड़कियां** बड़ी संख्या में **स्कूल** छोड़

www.evidyarthi.in

1964 का नागरिक अधिकार अधिनियम किसी कर्मचारी को उनके राष्ट्रीय मूल, जाति, धर्म या लिंग के आधार पर नौकरी से निकालने, काम पर रखने या वेतन बढ़ाने के भेदभाव को रोकता है।

देती हैं।

- यह गरीबी, सामाजिक भेदभाव और इन समुदायों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूल सुविधाओं की कमी का एक संयुक्त परिणाम है।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

समानता के लिए

- दुनिया भर के तमाम समुदायों, गाँवों और शहरों में आप देखते होंगे की कुछ लोग समानता के लिए किये गए संघर्षों के कारण सम्मान से पहचाने जाते

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

➤ हैं। ये वे लोग हैं, जो अपने साथ या अपने सामने किये जा रहे किसी भेदभाव के विरूद्ध उठ खड़े हुए। हम इनका सम्मान इसलिए भी करते हैं की इन्होंने प्रत्येक व्यक्ति

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

को उसकी **मानवीय गरिमा** के साथ स्वीकार किया और **सदैव** इसे **धर्म** और **समुदाय** के ऊपर माना। इन्हें लोग बहुत **विश्वास** के साथ अपनी

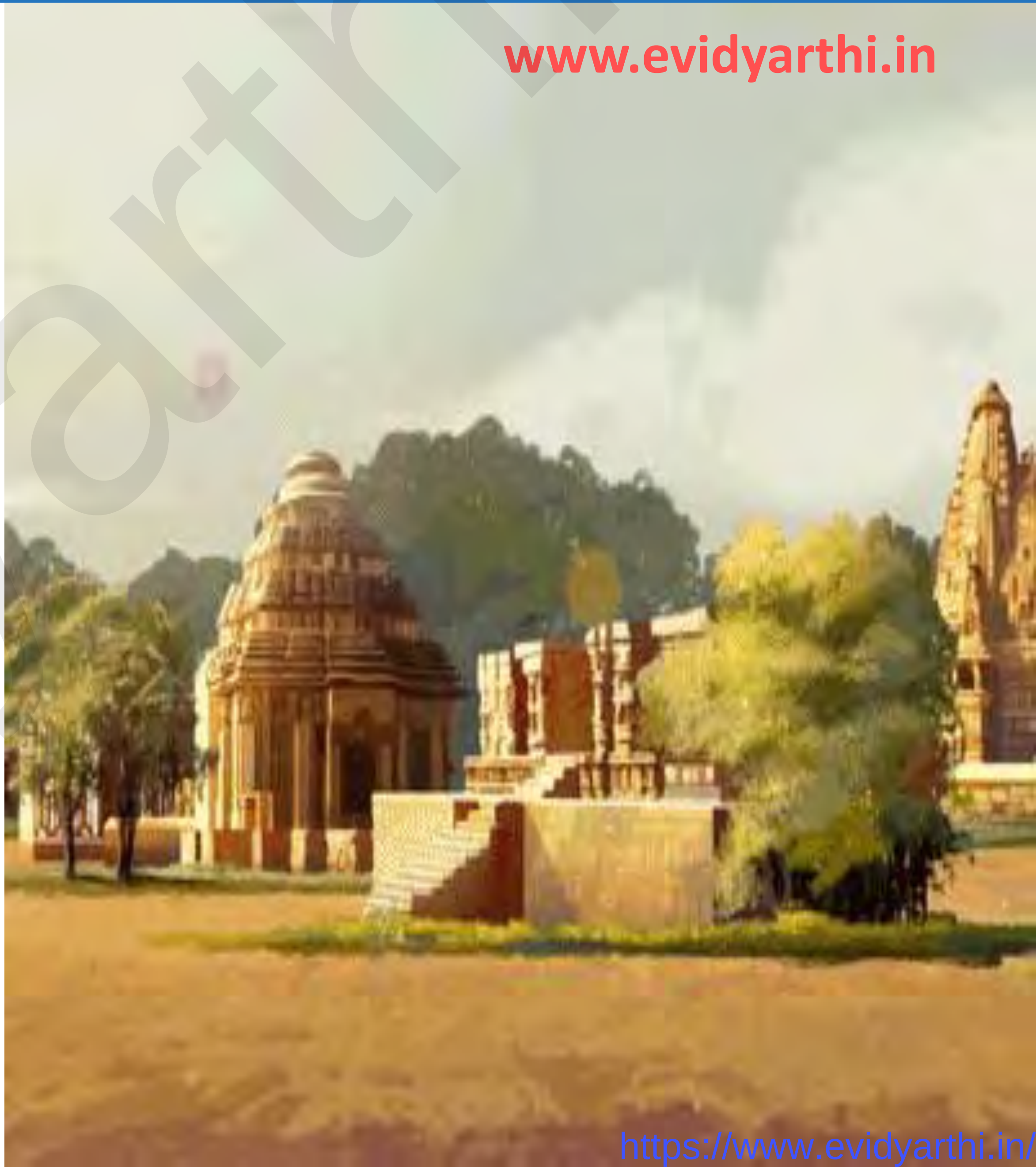

https://www.evidyarthi.in/

समाधान के लिए बुलाते हैं।

- भारत में, ऐसे कई संघर्ष हैं जिनमें लोग उन मुद्दों के लिए लड़ने के लिए एक साथ आए हैं जिन्हें वे महत्वपूर्ण मानते हैं।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- बीड़ी मजदूर, मछुआरे, खेतिहर मजदूर, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले और प्रत्येक समूह जैसे संघर्ष अपने-अपने तरीके से न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

https://www.evidyarthi.in/

- लोगों को अपने संगठन या अन्य सामूहिक तरीके बनाने चाहिए जिससे लोगों का संसाधनों पर अधिक नियंत्रण हो सके।

www.evidyarthi.in

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in

तवा मत्स्य

➢ जब जंगल के बड़े क्षेत्रों को जानवरों के लिए अभ्यारण घोषित कर दिया जाता है और बड़े बाँधों का निर्माण किया जाता है तो हजारों लोग विस्थापित होते है। पुरे

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

के पुरे गाँवों के लोगों को अपनी जड़ों को छोड़ कर कहीं और नए घर बनाने और नयी ज़िन्दगी आरम्भ करने के लिए मज़बूर कर दिया जाता है।

- शहरी क्षेत्रों में भी, जिन बस्तियों में गरीब लोग

https://www.evidyarthi.in/

रहते हैं, वो अक्सर हटा दिया जाता है।

- उनका काम और उनके **बच्चों की स्कूली शिक्षा** बुरी तरह बाधित है क्योंकि उन्हें **शहरों** से भी हटा दिया गया था।

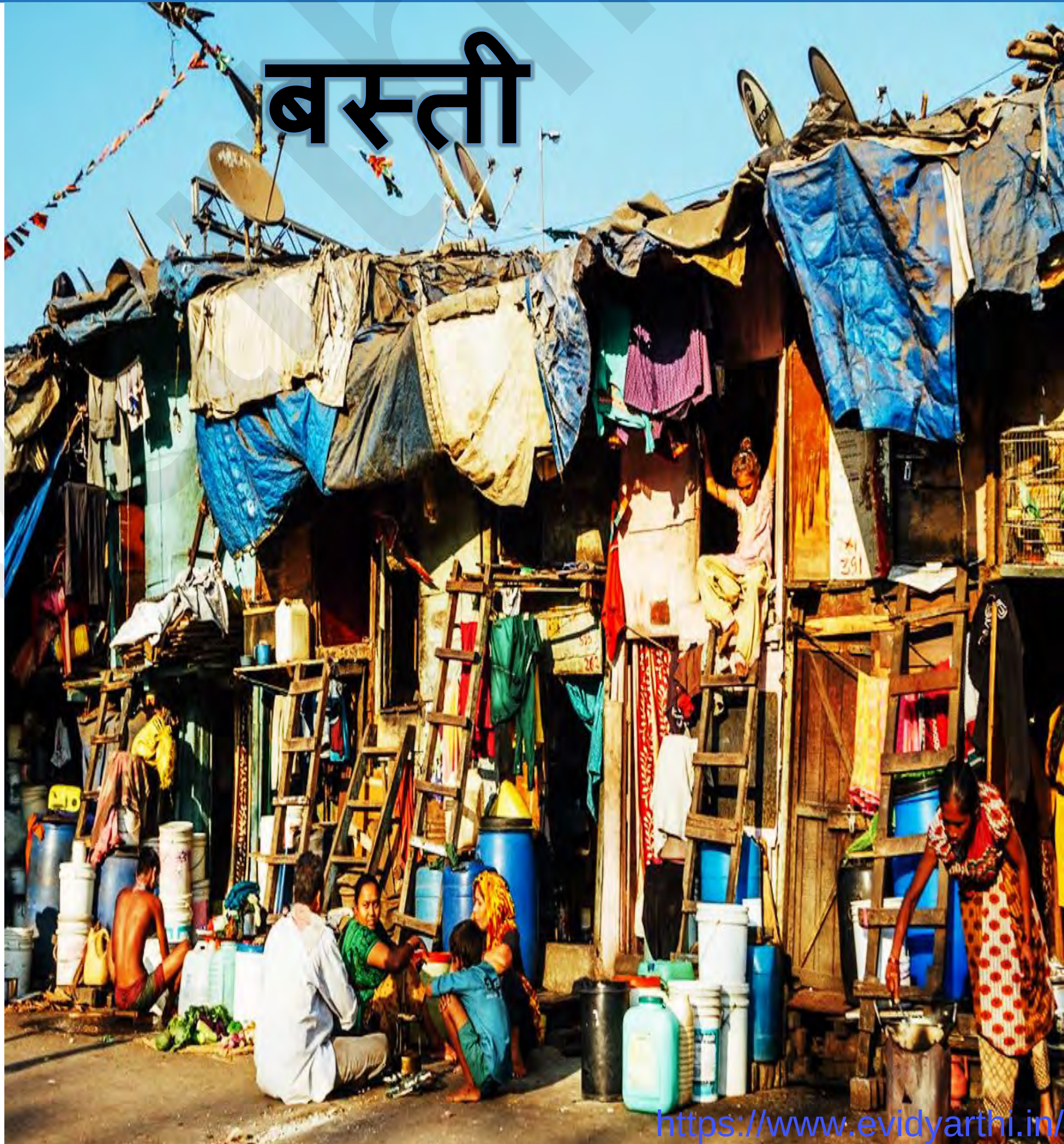

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- देश भर में कई संगठन विस्थापितों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं।
- तवा मत्स्य संघ - मध्य प्रदेश में

तवा मत्स्य संघ

https://www.evidyarthi.in/

सतपुड़ा जंगल के विस्थापित वनवासियों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले फिशर वर्कर्स का एक संघ।

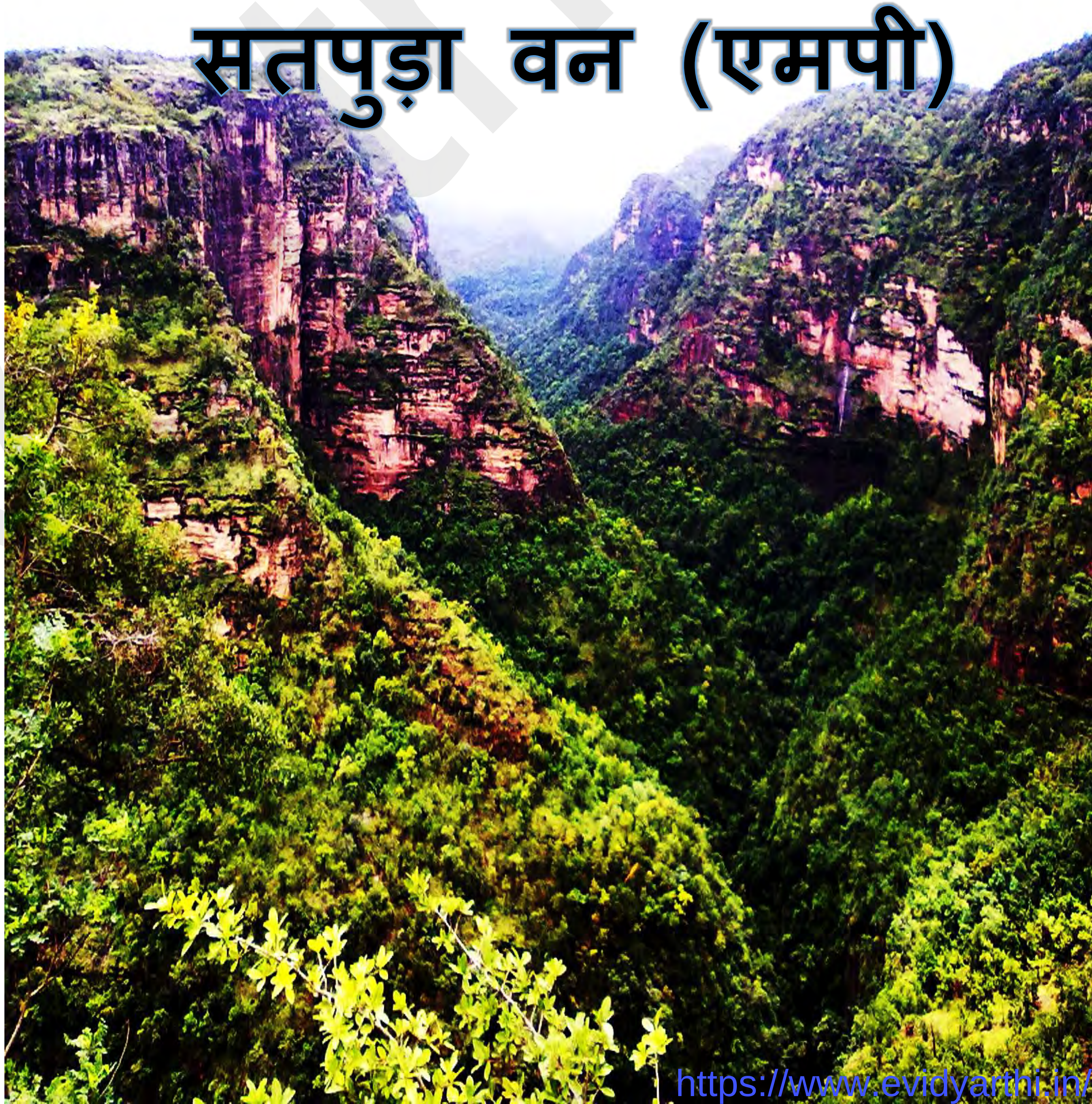

https://www.evidyarthi.in/

- होशंगाबाद में नर्मदा में शामिल होने से पहले, छिंदवाड़ा जिले के महादेव पहाड़ियों में उत्पन्न, तवा बैतूल से होकर बहती है।

www.evidyarthi.in
evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

- तवा पर एक बांध का निर्माण 1958 में आरम्भ हुआ और 1978 में पूरा हुआ।
- जंगल के बड़े हिस्से के साथ ही बहुत-सी कृषि भूमि भी बांध में डूब गयी।

www.evidyarthi.in
evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

सरकार ने निजी ठेकेदारों को तवा जलाशय से 1994 में मछली पकड़ने का अधिकार दिया और उन्होंने स्थानीय लोगों को गुंडों की मदद से भगा दिया।

- ग्रामीणों ने एकजुट

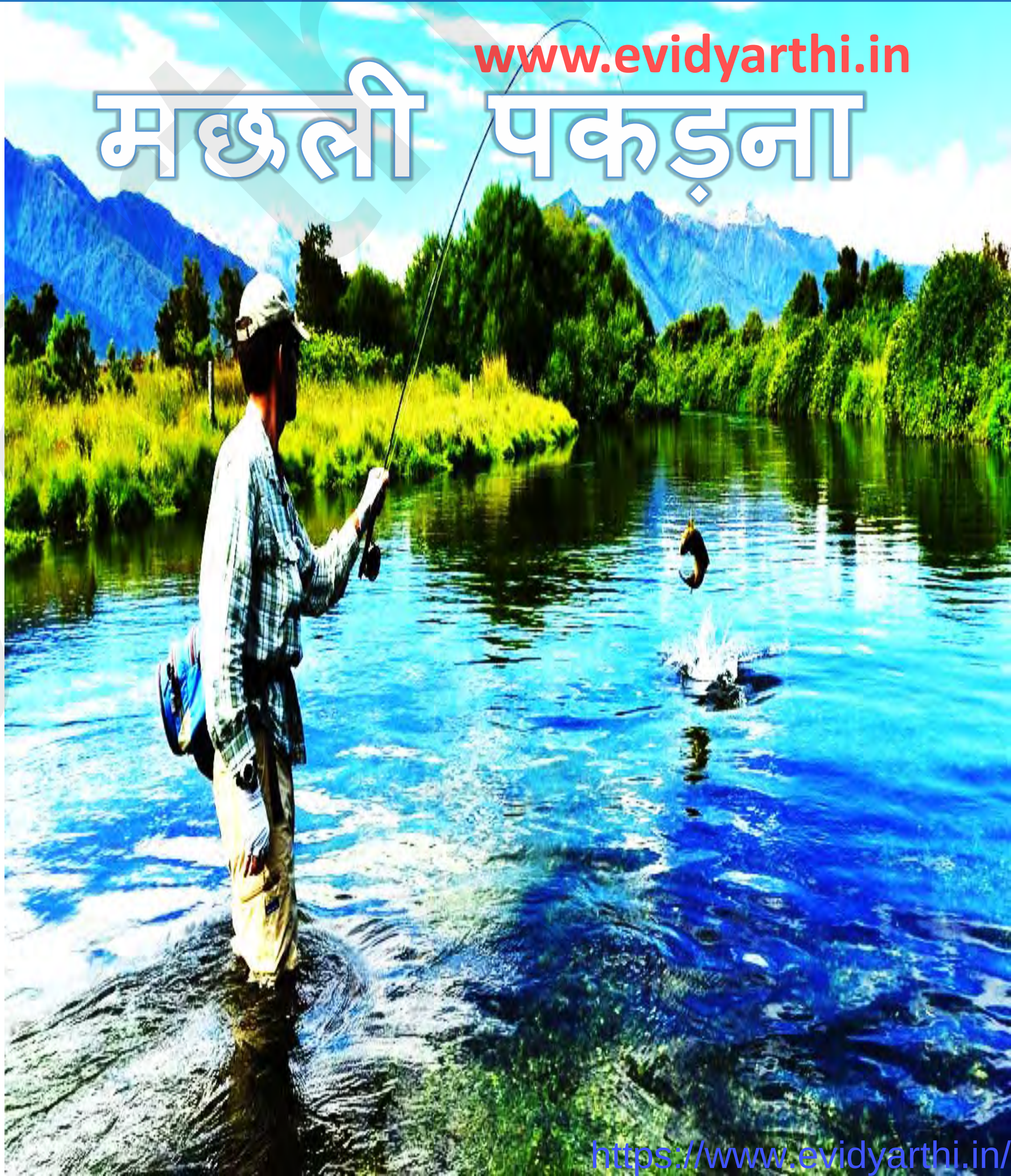

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

होकर एक संगठन स्थापित करने और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कुछ करने का फैसला किया।

- ग्रामीणों ने एकजुट होकर तवा मत्स्य संघ (टीएमएस) ने

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

आजीविका के लिए मछली पकड़ने के अधिकार की मांग करते हुए रैलियां, चक्का जाम का आयोजन किया।

- **1996 में मध्य प्रदेश सरकार ने फैसला किया की तवा बांध के जलाशय**

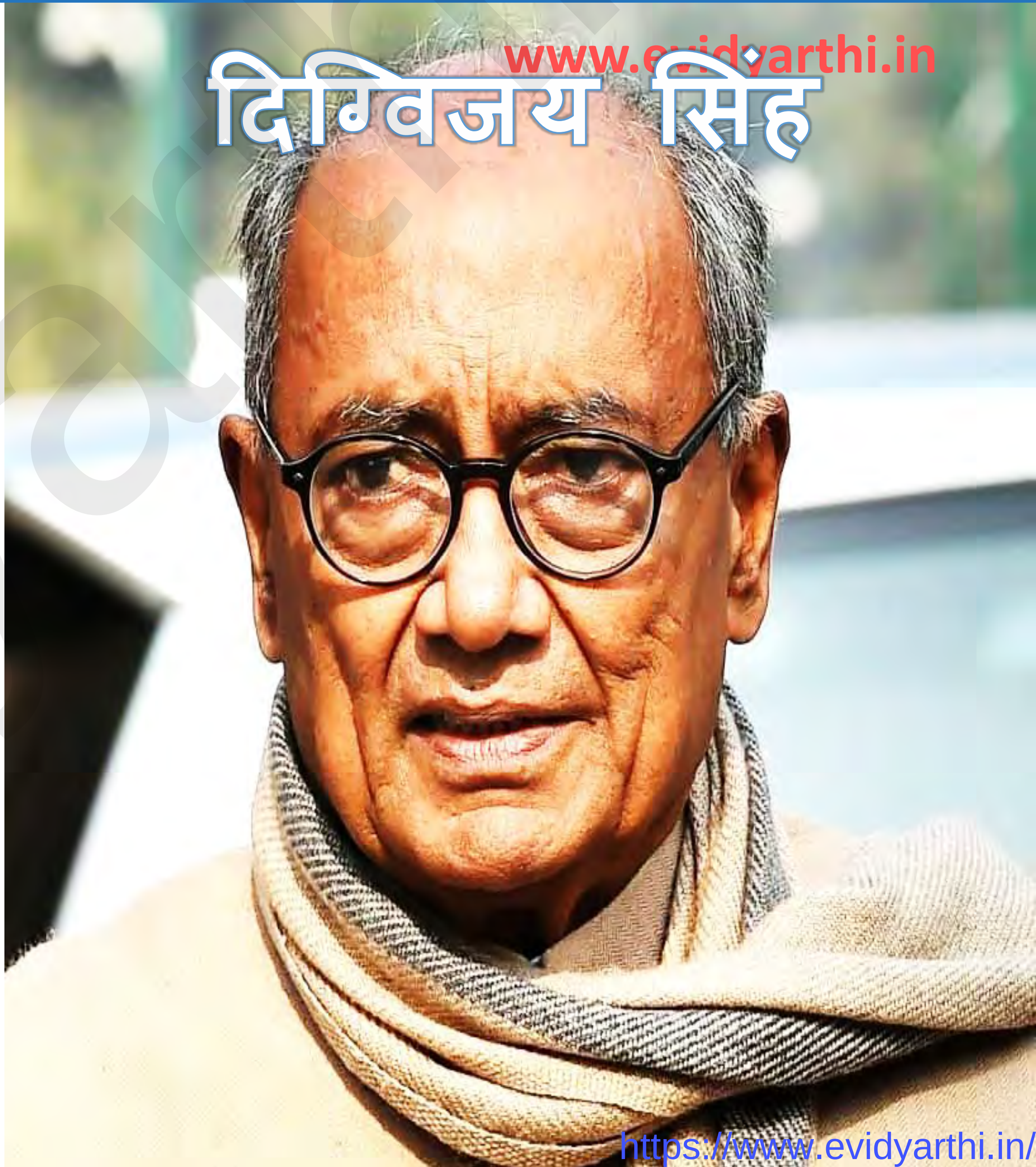

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

से मछली पकड़ने का अधिकार यहाँ के विस्थापितों को ही दिया जाएगा।

- दो महीने बाद पांच साल के लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। 2 जनवरी 1997 को

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

के 33 गांवों के लोगों ने **पहली पकड़** के साथ नए साल की शुरुआत की।

- **टीएमएस** इसे उन बाजारों में ले जाने और **बेचने की व्यवस्था** करता है जहां उन्हें **अच्छी कीमत** मिलती है।

https://www.evidyarthi.in/

- उन्होंने पहले की तुलना में तीन गुना अधिक कमाया। टीएमएस ने मछली श्रमिकों को नए जाल की मरम्मत और खरीद के लिए ऋण भी दिया।

https://www.evidyarthi.in/

- **टीएमएस ने दिखाया है कि जब लोगों के संगठनों को आजीविका का अधिकार मिल जाता है, तो वे बहुत बेहतर कर सकते हैं और खुशी से रह सकते हैं।**

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

भारत का संविधान -एक जीता हुआ दस्तावेज़

- देश में **समता** के लिए चलने वाले **आंदोलन** और **संघर्ष** अक्सर **संविधान** के आधार पर ही समता और **न्याय** की बात करते हैं।

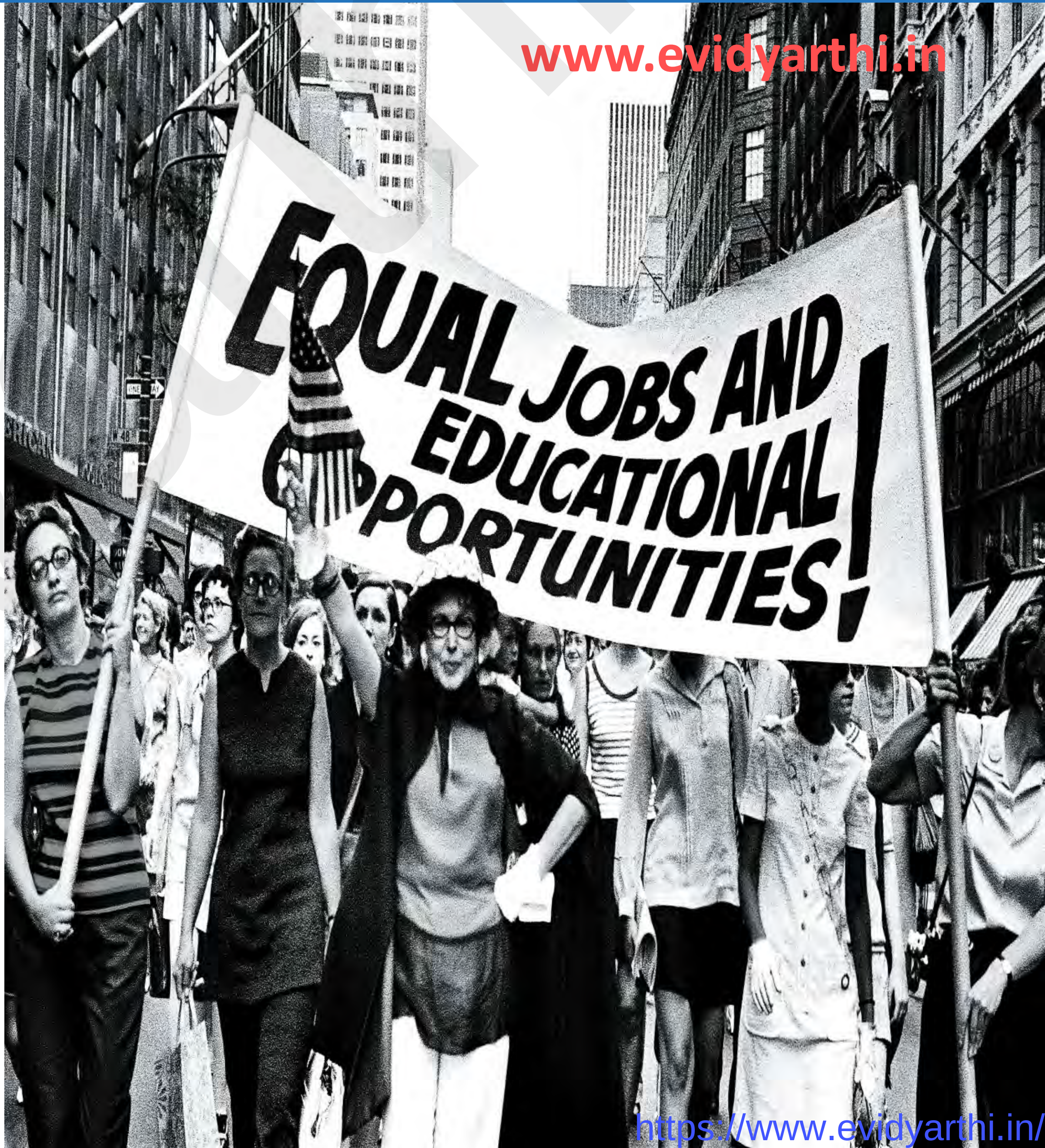

www.evidyarthi.in

evidyarthi

- तवा मत्स्य संघ के मछुआरे की आशा का आधार भी संविधान के प्रावधान ही हैं।
- संविधान को एक 'जीवित दस्तावेज' के

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

रूप में संदर्भित किया जाता है जिसका हमारे **जीवन** में **वास्तविक अर्थ** होता है।

- **प्रत्येक** व्यक्ति और उनके **समुदाय** की **गरिमा** और **स्वाभिमान** को तभी महसूस किया

https://www.evidyarthi.in/

जा सकता है जब उनके पास अपने परिवार का समर्थन और पालन-पोषण करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों और उनके साथ भेदभाव न किया जाता।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/